Class Notes **B.A. Geography Part-2, Paper-IV, Unit-III**

विश्व व्यापार संगठन
World Trade Organization-WTO

बोलेंद्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक, भूगोल,
राजा सिंह महाविद्यालय, सिवान

विश्व व्यापार संगठन एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो राष्ट्रों के मध्य वैश्विक नियमों का व्यवहार करता है। यह विश्वव्यापी व्यापार तंत्र के लिए नियमों को नियत करता है और इसके सदस्य देशों के मध्य विवादों का निपटारा करता है। डब्ल्यूटीओ के सचिव और महानिदेशक **जिनेवा स्थित मुख्यालय** में निवास करते हैं जिसमें 640 लोग काम करते हैं । संगठन के सभी पहलुओं के संचालन का प्रशासनिक कार्य संभालते हैं । हालांकि सचिवालय के पास कानूनी निर्णय लेने की कोई शक्ति नहीं है लेकिन ऐसा करने वालों को यह महत्वपूर्ण परामर्श प्रदान करता है । विश्व व्यापार संगठनके 164 सदस्य हैं ।

विश्व व्यापार संगठन का इतिहास

विश्व व्यापार संगठन का इतिहास 15 अप्रैल 1994 से शुरू होता है जब मोरक्को के एक शहर मराकेश में चार दिवसीय वार्ता प्रारंभ हुई थी । इस सम्मेलन की अध्यक्षता जनरल एग्रीमेंट ऑन टेरिफ्स एंड ट्रेड जिसे GATT कहते हैं के प्रथम महानिदेशक पीटर सदरलैंड ने की थी । वस्तुतः इस सम्मेलन में GATT को नया नाम विश्व व्यापार संगठन (वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाईजेशन) WTO दिया गया । यह संगठन 1 जनवरी 1995 से अस्तित्व में आया । इसके प्रथम स्थाई अध्यक्ष इटली के एक प्रमुख व्यवसायी **रेनटो रुगियरो** (Renato Ruggiero) थे ।

विश्व व्यापार संगठन की संरचना

विश्व व्यापार संगठन की संरचना में इसके निम्नलिखित निकाय आते हैं:

मंत्रिस्तरीय सम्मेलन
जनरल काउंसिल
व्यापार नीति समीक्षा निकाय
विवाद निपटान निकाय
वस्तुओं एवं सेवाओं में व्यापार पर परिषद

मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (Ministerial Council)
इसमें सभी सदस्य देशों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री होते हैं । यह डब्ल्यूटीओ का शासी निकाय है जो रणनीतिक दिशा तय करने और अपने अधिकार क्षेत्र के तहत समझौतों पर सभी अंतिम निर्णय लेने के लिए जिम्मेवार होता है ।

जनरल काउंसिल (General Council)
इसमें सभी सदस्य देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधि होते हैं । यह डब्ल्यूटीओ का मुख्य अंग है जो रोजाना कारोबार प्रबंधन की देखरेख और फैसला करता है ।
निम्नलिखित निकाय सीधे जनरल काउंसिल को रिपोर्ट करते हैं:
व्यापार नीति समीक्षा निकाय (The Trade Policy Review Body): यह सभी सदस्य देशों की व्यापार नीतियों की आवधिक समीक्षा करता है । यह निकाय उरूग्वे राउंड के बाद बने व्यापार नीति समीक्षा तंत्र की देखरेख करता है ।
विवाद निपटान निकाय (Dispute Settlement Body): यदि सदस्य देशों के मध्य किसी प्रकार का व्यापार संबंधी विवाद होता है तो यह निकाय न्यायालय की भांति काम करता है । इसमें भी डब्ल्यूटीओ के सभी सदस्य होते हैं ।
वस्तुओं एवं सेवाओं में व्यापार पर परिषद (The Councils on Trade in Goods and Trade in Services): यह वस्तुओं और सेवाओं में व्यापार पर हुए आम एवं विशेष समझौतों के विवरणों की समीक्षा के लिए तंत्र प्रदान करता है । इसमें भी डब्ल्यूटीओ के सभी सदस्य देश शामिल रहते हैं ।

विश्व व्यापार संगठन के उद्देश्य

विश्व व्यापार संगठन का प्रमुख उद्देश्य स्थापना के समय यह था कि

'विश्व के देशों को व्यापार एवं तकनीकी क्षेत्रों में एक नई राह पर लाना है । विश्व में मुक्त, अधिक पारदर्शी तथा अधिक अनुमान्य व्यापार व्यवस्था को स्थापित करना है । '

हालाँकि विश्व व्यापार संगठन के समझौते काफी लंबे और जटिल होते हैं लेकिन कई सरल और मौलिक सिद्धांत भी इन दस्तावेजों में रहते हैं । इसके उद्देश्यों को निम्नलिखित तरीके से देख सकते हैं:

- किसी भी देश को अपने व्यापारिक साझेदार के बीच भेदभाव नहीं करना चाहिए
- व्यापार बाधाओं में कमी जैसे सीमा शुल्क आयात प्रतिबंध एंटी डंपिंग शुल्क
- विदेशी कंपनियों निवेशकों और सरकारों को व्यापार बाधाओं को मनमाने ढंग से नहीं बढ़ाया जाना सुनिश्चित करना चाहिए
- अनुचित प्रथाओं को हतोत्साहित करना
- सदस्य देशों के मध्य समझौते ना सिर्फ पर्यावरण बल्कि जन-स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य एवं पृथ्वी के स्वास्थ्य के संरक्षण के उपाय करने की अनुमति देते हैं ।

विश्व व्यापार संगठन के कार्य

विश्व व्यापार संगठन के निम्नलिखित कार्य हैं:

- विश्व व्यापार समझौता एवं बहुपक्षीय समझौतों के कार्यान्यवन, प्रशासन एवं परिचालन हेतु सुविधाएं प्रदान करना
- व्यापार एवं प्रशुल्क संबंधित किसी भी भावी मसले पर सदस्यों के बीच विचार-विमर्श हेतु एक मंच के रूप में कार्य करना
- विवादों के निपटारे से संबंधित नियमों एवं प्रक्रियाओं को प्रशासित करना
- व्यापार नीति समीक्षा प्रक्रिया से संबंधित नियमों एवं प्रावधानों को लागू करना
- वैश्विक आर्थिक नीति निर्माण में अधिक सामंजस्य भाव लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक से सहयोग करना तथा

- विश्व संसाधनों का अनुकूलतम प्रयोग करना

डब्ल्यूटीओ के मंत्री स्तरीय सम्मेलन

विश्व व्यापार संगठन की निर्णायक संस्था इसके सदस्य देशों के मंत्रियों का सम्मेलन है, जिसकी 2 वर्ष में बैठक होना अनिवार्य है । यह सम्मेलन बहुपक्षीय व्यापार समझौतों के अंतर्गत किसी भी मामले पर निर्णय कर सकता है । विश्व व्यापार संगठन के अब तक 11 मंत्री स्तरीय सम्मेलन हो चुके हैं, जिसकी सूची निम्नवत है

बैठक	तिथि	मेजबान देश
1st	9–13 December 1996	सिंगापुर
2nd	18–20 May 1998	जेनेवा, स्विट्ज़रलैंड
3rd	30 November – 3 December 1999	सिएटल, अमेरिका
4th	9–14 November 2001	दोहा, क़तर
5th	10–14 September 2003	कान्कुन, मेक्सिको
6th	13–18 December 2005	हांग कांग
7th	30 November – 2 December 2009	जेनेवा, स्विट्ज़रलैंड
8th	15–17 December 2011	जेनेवा, स्विट्ज़रलैंड
9th	3–6 December 2013	बाली, इंडोनेशिया
10th	15–18 December 2015	नैरोबी, केन्या
11th	10–13 December 2017	ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना

12वीं मंत्री स्तरीय बैठक 2020 में होना संभावित है ।

विश्व व्यापार संगठन का प्रभाव: विश्व व्यापार संगठन की स्थापना एक आदर्श उद्देश्य के साथ की गई थी परंतु जैसे जैसे दिन बीतता गया वैसे वैसे आर्थिक

महाशक्तिओ ने डब्ल्यूटीओ के समझौतों से इतर राह बनाना सीख लिया है और इसमें सफल भी हो रहे हैं परंतु वे राष्ट्र जो डब्ल्यूटीओ के आदर्शों पर चल रहे हैं उनका भला नहीं हो पा रहा है ।

चित्र स्रोत:https://en.wikipedia.org/wiki/World_Trade_Organization

इस प्रकार विश्व व्यापार संगठन विश्व समुदाय के लिए इतना अधिक उपयोगी होते हुए भी अपनी मंजिल पाने में असफल रहा है । असफलता के मूल में कई कारण हो सकते हैं जिनका समाधान तलाश से बिना यह संगठन किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकता है ।**********

- सन्दर्भ: एन सी ई आर टी, विकिपीडिया,
- इन्टरनेट: https://www.jagranjosh.com/general-knowledge
- https://www.sansarlochan.in/wto-world-trade-organisation-hindi/

****